क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 332, मंगलवार, 01 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

खुशखबरी : सब्सिडी वाला रसोई गैस सिलेंडर 5.91 रुपये, गैर सब्सिडी वाले सिलेंडर 120.50 रुपये सस्ता

नई दिल्ली। घरेलू गैस (एलपीजी) की कीमतों में एक बार फिर उपभोक्ताओं को राहत मिली है। सब्सिडी वाले रसाई गैस सिलेंडर 5.91 रुपये सस्ता हुआ है। वहीं गैर सब्सिडी वाले सिलिंडर के दाम में 120.50 रुपये की राहत मिली है। यह जानकारी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की ओर से दी गई है। यह कीमतें आधी रात से लागू हो जाएंगी। बता दें कि इससे पहले नंवबर में सब्सिडी वाले रसाई गैस सिलेंडर की कीमतों में 6.52 रुपये तथा बिना सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर में 133 रुपये की कटौती की गई थी। इससे पहले जून के बाद से रसोई गैस की कीमतों में 6 बार बढ़ोत्तरी की गई थी।

कांग्रेस ने पार्टी का पक्ष रखने के लिए 10 नए प्रवक्ता नियुक्त किए

नयी दिल्ली एजेंसी। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले मीडिया में कांग्रेस के पक्ष को मजबूती रखने के मकसद से पार्टी ने सोमवार को 10 नए प्रवक्ताओं की नियुक्ति की। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रवक्ताओं की नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की। कांग्रेस ने राज्यसभा सदस्य सैयद नसीर हुसैन, पार्टी नेता पवन खेड़ा, जयवीर शेरगिल, रागिनी नायक, गौरव वल्लभ, राजीव त्यागी, अखिलेश प्रताप सिंह, सुनील अहीर, हिना कवारे और श्रवण दोसाजु को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का नया प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। बता दें कि खेड़ा, गौरव वल्लभ, रागिनी नायक, अखिलेश प्रताप सिंह और शेरगिल पहले भी मीडिया पैनलिस्ट के तौर पर पार्टी का पक्ष रखते रहे हैं।

श्रीनगर एके-47 रायफल लूट: कांग्रेस विधायक के घर पर तैनात 4 पुलिसकर्मी बर्खास्त

एजेंसी श्रीनगर। जम्मू एवं कश्मीर में एक कांग्रेस विधायक के आवास पर गार्ड के रूप में तैनात चार पुलिसकर्मियों को सोमवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। विधायक के घर से एक दिन पहले चार हथियार गायब हो गए थे, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, कांग्रेस विधायक मोहम्मद मुजफ्फर पार्रे के आवास पर तैनात चार निजी सुरक्षा गार्डों (पीएसओ) को कर्तव्य की उपेक्षा और अनाधिकृत अनुपस्थिति के लिए सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। श्रीनगर के जवाहर नगर इलाके में विधायक के आधिकारिक आवास के गार्ड रूम से रविवार को चार हथियार गायब हो गए थे।

नए साल में विजयवाड़ा के इस मंदिर में सिर्फ साड़ी पहन कर दर्शन कर सकेंगी महिलाएं

विजयवाड़ा। नए साल में आंध्र प्रदेश के श्री दुर्गा मल्लेश्वर स्वामी मंदिर में आने वाली महिला श्रद्धालुओं को सख्त ड्रेस कोड का पालन करना होगा। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी कोटेश्वरम्मा ने बात करते हुए कहा कि शॉर्ट्स पहने पुरुषों और स्कर्ट पहनी महिलाओं को मंदिर में एंट्री नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरे दिनभर मंदिर में होने वाले सभी विधि विधान में हिस्सा लेने और कनक दुर्गा अम्मावरु के दर्शन के लिए सिर्फ पारंपरिक परिधान पहनने वालों को ही अनुमति दी जाएगी।

यह फैसला श्री वेंटकेश्वर स्वामी के तिरुमला मंदिर में अपनाई जाने वाली हिंदू परंपराओं से एकरूपता बनाए रखने के लिए किया गया है। मंदिर प्रशासन को नए साल के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए आने का अनुमान है। इसे देखते हुए मंदिर के ड्रेस कोड के मुताबिक कपड़े बदलने के लिए प्रांगण में व्यवस्था की जा रही है।

बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर परिसर में रविवार को कालचक्र समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा भी मौजूद रहे।

सरकार की चुनौती के बाद कांग्रेस दो जनवरी को राफेल पर चर्चा को तैयार

नयी दिल्ली एजेंसी। लोकसभा में कांग्रेस ने सोमवार को एक बार फिर राफेल सौदे का मुद्दा उठाया और इसमें कथित तौर पर घोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि वह इस मुद्दे पर दो जनवरी को चर्चा करने के लिए तैयार है । इस पर सरकार ने कहा कि वह पहले से ही राफेल मुद्दे पर चर्चा करने को कह रही है लेकिन कांग्रेस पार्टी बार-बार झूठ बोलकर चर्चा से भागती रही है।

कांग्रेस सदस्य 11 दिसंबर को संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने के बाद से ही दोनों सदनों में इस मुद्दे को उठाते रहे हैं और इस मामले की जांच संयुक्त संसदीय समिति से कराने की मांग करते रहे हैं। लोकसभा में कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चर्चा के लिए चुनौती दी गई है तो हम इस चुनौती को स्वीकार करते हैं और दो जनवरी को चर्चा कराई जाए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि कोई चुनौती नहीं है। वो (सत्तापक्ष) पहले भी चर्चा के लिए तैयार थे, लेकिन आपकी तरफ से कुछ ऐसा हो गया कि चर्चा नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने चर्चा की बात कही है और अब आप तैयार हैं तो चर्चा होगी, लेकिन चर्चा कब होगी इसका फैसला मुझे करना है।

संसदीय कार्य मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि यह बात पहले उठायी गई, तब गृह मंत्री, वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार चर्चा कराने को तैयार है। हमें चर्चा कराने से कोई एतराज नहीं है, कांग्रेस को चर्चा से बचने की बजाए, इसमें हिस्सा लेना चाहिए ।

सोमवार को शून्यकाल और अनुदान की अनुपूरक मांग के दूसरे बैच पर चर्चा के दौरान मल्लिकार्जुन खडगे ने इस विषय को उठाया और राफेल मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग की । इस पर गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लगातार और बार बार ' 'झूठ बोलने से कोई बात सच कभी नहीं होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस बारे में (राफेल) कितना भी असत्य क्यों न बोले, वह सच कभी नहीं बन सकता।

राजनाथ सिंह ने कहा कि इस विषय पर हम सदन में चर्चा कराने को तैयार हैं, कांग्रेस पार्टी बहस से क्यों भाग रही है, यह बतायें। वित्त मंत्री अरूण जेटली ने कहा, राफेल मुद्दे पर तुरंत चर्चा करायी जाए। इनकी पार्टी झूठ पर झूठ बोल रही है। ऐसे में इस मुद्दे पर अभी चर्चा शुरू की जाए । खड़गे जी चर्चा शुरू करें और मैं जवाब देने को तैयार हूं। भाजपा सदस्यों ने भी राफेल मुद्दे पर चर्चा की मांग की । वहीं अपने हाथों में तख्तियां लिए कांग्रेस सदस्य अपनी मांग को लेकर आसन के समीप नारा लगा रहे थे । अनुदान की अनुपूरक मांग पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा के निशिकांत दुबे ने कहा कि बोफोर्स मामले और टू जी मामले में भी जेपीसी का गठन किया गया था और क्लीनचिट दी गयी जबकि बाद में गड़बड़ी पकड़ी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि अब अगस्ता वेस्टलैंड में 'मिसेज जी का नाम आया है, इसका पैसा किसके पास गया। दुबे ने कहा कि 11 दिसंबर से संसद का सत्र शुरू हुआ है, कांग्रेस राफेल मामले में संसद की कार्यवाही बाधित कर रही है।

सरकार चर्चा को तैयार है, कांग्रेस तैयारी करके नहीं आती और केवल बाधा डालने का काम कर रही है। देश की जनता को यह पता होना चाहिए। इससे पहले लोकसभा में कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि राफेल विमान सौदा फ्रांस के साथ किया गया । इस विमान को अधिक कीमत पर खरीदा गया । यह विमान संप्रग सरकार की तुलना में तीन गुना अधिक कीमत पर खरीदा गया।

»» पढ़ाई, कमाई, दवाई, सिंचाई और सुनवाई पर रहा जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने गिनाई 2018 की अपनी सरकार की उपलब्धियां

**** अंडमान में लोगों को बेहतर सुविधाएं देने पर काम : मोदी**
मन की बात
**** कहा, ये उपलब्धियां सभी को गौरव से भर देंगी**

2019 में विकास यात्रा जारी रहने की उम्मीद जतायी

नई दिल्ली **एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनामी से उबरने के लिए कार निकोबार के लोगों को रविवार को बधाई दी और कहा कि सरकार अंडमान में लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने पर काम कर रही है।

द्वीप पर प्रचलित संयुक्त परिवार व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां के लोग देश के अन्य हिस्सों के लिए नजीर हैं। उन्होंने लोगों को यह भी आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने यहां बीजेआर स्टेडियम में जनता को संबोधित करते हुए कहा, यहां लोग लंबे समय से समुद्री क्षरण की समस्या का हल निकालने की मांग कर रहे हैं।

मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए एक समुद्री दीवार खड़ी करने का फैसला किया है जिसकी नींव आज रखी जाएगी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह दीवार जल्द से जल्द बना ली जाएगी और इसके निर्माण में अनुमानित लागत 50 करोड़ रुपये आएगी। कोकोनट हस्क का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,000 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार की 2018 की उपलब्धियां हर किसी को गौरव से भर देंगी और उम्मीद जताई की विकास की यात्रा 2019 में भी जारी रहेगी।

साल 2018 के आखिरी ''मन की बात' कार्यक्रम में मोदी ने साल भर के आर्थिक, सामाजिक क्षेत्र, खेल व अन्य क्षेत्रों की उपलब्धियों का सारांश पेश किया। उन्होंने कहा कि ऐसा लोगों के सामूहिक प्रयास की वजह से हो सका है। यह मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम का 51वां संस्करण था।

मोदी ने कहा, चाहे यह किसी एक का जीवन हो या राष्ट्र का जीवन, हमें पीछे देखने की सलाह दी जाती है और आगे देखने की भी जिससे कि हम अपनी गलतियों से सबक सीख सकें और आगे बढ़ने का आत्मविास प्राप्त करते हैं। आप सभी सोच रहे होंगे कि 2018 को कैसे याद रखा जाए। साल 2018 सभी को गौरव से भर देगा।

सरकार की 2018 की उपलब्धियों को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने कहा, 2018 में, विश्व की सबसे बड़ी स्वास्य बीमा योजना ''आयुष्मान भारत' की शुरुआत हुई।

देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले, सरदार वल्लभभाई पटेल के सम्मान में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा ''स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' देश को मिली। देश के हर गांव तक बिजली पहुंच गई।

भारत में व्यापार करने में सुगमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। आजादी के बाद लाल-किले से पहली बार, आजाद हिंद सरकार की 75वीं वर्षगांठ पर तिरंगा फहराया गया।

देश को संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार ''चैंपियंस ऑफ द अर्थ' से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि भारत ने एशियाई खेलों में बड़ी संख्या में पदक जीते और पैरा एशियाई खेलों व क्रिकेट में भी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने वाराणसी में गंगा नदी पर भारत के पहले बहुआयामी टर्मिनल व सिक्किम के पहले हवाईअड्डे के उद्घाटन की भी बात की।

उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि सफलता का दौर 2019 में भी जारी रहेगा। उन्होंने आगामी महीने जनवरी में आने वाले त्योहारों की लोगों को बधाई दी, जिसमें मकर संक्रांति, पोंगल व लोहड़ी शामिल हैं।

खुद को नेताओं का करीबी बता ये जेलकर्मी करता था अतीक की मदद!

देवरिया। देवरिया जेल का एक कमर्चारी खुद को नेताओं का करीबी बताकर अतीक की मदद करता था। वह जेल में अतीक के लिए मोबाइल से लेकर खाने तक की व्यवस्था करता था। अतीक की सुरक्षा और सेवा के लिए एक दर्जन बंदी और कैदी हमेशा मुस्तैद रहते थे। देवरिया जेल में देवरिया, कुशीनगर समेत प्रदेश के दूसरे जिलों के लगभग 1650 बंदी हैं। 4 अप्रैल 2017 को नैनी जेल से देवरिया कारागार शिफ्ट किए गए अतीक अहमद का यहां कुछ दिनों में ही राज चलने लगा। जेल में अतीक के लिए सभी सुख-सुविधा के सामान मुहैया कराये जाते थे। फूलपुर उपचुनाव में प्रत्याशी बनने के बाद से अतीक का वर्चस्व जिला कारागार में और बढ़ गया। वह बैरक में काम करने के लिए एक दर्जन बंदियों और कैदियों को अपने साथ रखा था। वह जेल में राजसी ठाट से रहता था। बैरक नंबर सात में उसके गुर्गों और मिलने वालों को छोड़ कर किसी और को जाने की अनुमति नहीं थी।

निगम पार्षद से सांसद तक, जानिए सज्जन कुमार का लंबा राजनीतिक सफर

नई दिल्ली एजेंसी। वरिष्ठ नेता सज्जन कुमार ने दिल्ली की राजनीति में निगम पार्षद से लेकर तीन बार लोकसभा सांसद बनने तक का लंबा राजनीतिक सफर तय किया लेकिन 1984 के सिख विरोधी दंगे में उनकी कथित संलिप्तता ने उनके कॅरियर पर रोक लगा दी और अंततः इस मामले में उन्हें दोषी ठहराया गया।

दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा मामले में आजीवन कारवास की सजा सुनाए जाने के बाद कुमार ने सोमवार को यहां एक अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत ने उन्हें उत्तर-पूर्व दिल्ली के मंडोली जेल में बंद करने के आदेश दिए हैं। सजा सुनाए जाने के बाद कुमार ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। उनके नजदीकी सूत्रों ने कहा कि वह पुरानी दिल्ली के जटवाड़ा इलाके में पले-बढ़े और बाद में करोल बाग इलाके के प्रसाद नगर चले गए।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया, ''1970 के दशक में उन्होंने एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) का चुनाव लड़ा जिसमें कांग्रेस को महज 14 सीटें हासिल हुई थीं लेकिन नांगलोई से वह भारी बहुमत से जीते। 1977 में वह प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव बने। वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि कुमार की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके छोटे बेटे संजय गांधी से नजदीकी थी।जाट नेता कुमार ने 1980 के आम चुनावों में बाहरी दिल्ली सीट से जीत दर्ज कर राजनीति में ''बड़ी छलांग लगाई।

इस चुनाव में उन्होंने चौधरी ब्रह्म प्रकाश को हराया जो दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री थे।

लोकसभा की वेबसाइट के मुताबिक कुमार विधवा और गरीब महिलाओं की बेटियों की शादी में वित्तीय मदद मुहैया कराते थे, जे जे कॉलोनियों के निवासियों का पुनर्वास कराते थे, विकलांगों की मदद करते थे और अछूत की प्रथा को खत्म करने के आंदोलन में हिस्सा लिया करते थे। उन्होंने कहा कि 1984 के दंगों के बाद उनके कॅरियर पर विराम लग गया जिसके बाद कुमार ''सार्वजनिक जीवन से दूर होते गए और परदे के पीछे से पार्टी के लिए काम करते थे।

उज़र भारत में सर्दी का सितम जारी, ठिठुरन नहीं हो रही कम

नई दिल्ली एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह कंपा देने वाली ठंड के साथ शीतलहर का प्रकोप जारी है। यहां न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा, अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है और सुबह 8.30 बजे आर्द्रता का स्तर 97 फीसदी दर्ज किया गया। उन्होंने कहा, शहर के अधिकांश इलाकों में सुबह दृश्यता 1500 मीटर रही। सुबह कोहरा छाया रहा। धुंध और कोहरा छाने के साथ आसमान साफ रहेगा। शहर के कुछ स्थानों पर दिन में शीतलहर जारी रहने की संभावना है।

वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान पग्राली (सफर) के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 388 दर्ज किए जाने के साथ समग्र वायु गुणवत्ता ''बेहद खराब' श्रेणी में पाई गई। नोएडा, पीतम पुरा और दिल्ली विविद्यालय जैसे स्थानों पर पीएम 2.5 और पीएम 10 ''गंभीर' स्तर पर दर्ज किए गए जबकि चांदनी चौक थोड़ा बेहतर रहा जहां इन प्रदूषकों की मात्रा ''बेहद खराब' के स्तर पर दर्ज की गई। वहीं, शनिवार को अधिकतम तापमान औस्त से एक डिग्री कम 21 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था, जो मौसम का सबसे कम तापमान था।

कश्मीर : कश्मीर घाटी और लद्दाख क्षेत्र में तापमान में कई डिग्री की बढ़ोतरी के साथ लोगों को शीत लहर से भी राहत मिली। हालांकि न्यूनतम तापमान अब भी शून्य नीचे रहा। लद्दाख सहित कश्मीर संभाग में शनिवार रात को तापमान में कई डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई और स्थानीय लोगों को शीत लहर से भी राहत मिली जो पिछले कई दिनों से यहां चल रही थी।

श्रीनगर में शनिवार रात तापमान शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। काजीगुंड में तापमान शून्य से 6.2 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। वहीं दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में जहां शुक्रवार रात तापमान शून्य से 5.8 डिग्री सेल्सियस नीचे था, वहीं शनिवार रात पारा शून्य से 2.7 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

हिमाचल : हिमाचल प्रदेश में रविवार को आंशिक बदली छाई रही जबकि राज्य के अधिकांश हिस्सों में शीतलहर जारी है। नववर्ष की पूर्वसंध्या तक बारिश या बर्फबारी की संभावना नहीं है। शिमला, नरकंडा, कुफरी, मनाली और डलहौजी जैसे अधिकांश प्रमुख पर्यटक शहरों में एक जनवरी से मध्यम बर्फबारी हो सकती है।

पंजाब, हरियाणा : हरियाणा और पंजाब में रविवार को ठंड काफी बढ़ गई। हिसार इन दोनों राज्यों में सबसे ठंडा रहा, जहां तापमान गिरकर 1.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से पांच डिग्री कम है। करनाल में काफी ठंड है, जहां पारा तीन डिग्री गिरकर दो डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। नारनौल और रोहतक में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम तीन-तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

संपादकीय

इस समय देश में हनुमानजी की जाति बताने पर जंग छिड़ी है। अब तक शायद ही कोई ऐसी जाति हो, जिसका संबंध हनुमानजी से न बताया गया हो। सवाल यह है कि इससे होगा क्या? हनुमानजी की जाति से कहीं अधिक गुणों की तरफ देखने की जरूरत है। हनुमान जैसा श्रेष्ठ सदगुरु सर्वदा सर्व सुलभ है। उनके स्मरण से ही बुद्धि, बल, यश, धैर्य, निर्भयता, निरोगता और विवेक जैसे गुण आ जाते हैं।

हनुमानजी की जाति नहीं गुण देखें

उत्तर भारत के मुजफ्फरनगर में गंगा तट पर बसा पवित्र शुकदेव तीर्थ शुक्रताल में हनुमद्धाम के नाम से जाना जाता है। इसके मुख्य प्रवेश द्वार पर भारतीय कपि, लंगूर, इंडोनेशियाई कपि और सुग्रीव की मूर्तियां विराजमान हैं। इसके अतिरिक्त यहां श्रीलंका, जापान, चीन, अफ्रीका, वियतनाम, अमेरिका और ब्राजील आदि देशों के वानरों की मूर्तियां भी स्थापित हैं। श्रीलंका, चीन और जापान में बौद्ध हैं तो अफ्रीका में मुसलमान और ईसाई, वियतनाम,अमेरिका और ब्राजील में ईसाई हैं। ये सभी लोग अपने अपने देश के मूल निवासी होने का दावा करते हैं। हनुमान को किं+वा+नरः अर्थात् थोड़ा सा मनुष्य कहा जाता है। वानर या कपि को आधुनिक वैज्ञानिक जगत् अपना पूर्वज बताता है। मूल निवासी अर्थात् आदिवासी उन्हें अपने कुल का बताते हैं और भारत में तो उनके गोत्र से जुड़े हुए नाम भी हैं। जाहिर है एशिया, अफ्रीका से लेकर अमेरिका तक में रहने वालों को हनुमान की गोत्र, जाति या समाज का माना जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश के विधान परिषद सदस्य बुक्कल नवाब ने कहा कि हनुमान मुसलमान थे, क्योंकि मुसलमानों में रहमान, इशान, सुल्तान, इमरान जैसे शब्द आते हैं, लेकिन ईसाईयों में जॉन, शान, किरॉन, हिंदुओं में हनुमान, हनुमंत, अभिमान, अंजनीपुत्र जैसे नाम शामिल हैं।

मनु स्मृति में लिखा है कि जन्म से तो सभी शूद्र होते हैं, संस्कारों की वजह से द्विज कहलाता है। यदि वह वेदों का अध्ययन करने वाला है तो विप्र कहलाएगा और जो ब्रह्म को जानता है वह ब्राह्मण कहलाएगा। वेदों का संबंध मानव सभ्यता के विकास से जोड़ा जाता है। अतः सबका दावा यहां मजबूत नजर आता है। पवन गति व शक्ति का प्रतीक है। पवन का गुण है कि अदृश्य रहकर भी सबको जीवन देना। हनुमान का कर्म योग यह सिखाता है कि कर्म करते रहो, अपने आपको अदृश्य या फिर अव्यक्त रखते हुए। सभी धर्मों का संचालन अदृश्य सत्ता की आस्था की बदौलत ही होता है। इस सत्ता से ही सबको आत्मबल प्रदान होता है जिससे अंततः मनुष्य के जीवन का सुचारू संचालन सुनिश्चित होता है। यहां पर भी हनुमान सभी आस्थाओं में प्रतिबिंबित होते हैं। महाभारत के शांति पर्व में कहा गया है कि वर्णों में कोई शारीरिक विभिन्नता नहीं है, सब मनुष्यों के शरीर एक से हैं। सब में स्वेद, मूत्र, श्लेमा, पित्त और रक्त प्रवाहित है।

भविष्य पुराण में कहा गया है कि यदि पिता के चार पुत्र हों, तो उन पुत्रों की जाति एक होना चाहिए। इसी प्रकार एक ही परमेश्वर सबका पिता है। अतः मनुष्य समाज में जाति भेद बिल्कुल नहीं होना चाहिए। राम लीला में सुंदर कांड बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। सुंदर कांड के मुख्य नायक हनुमान जी हैं। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के साथ भक्ति और प्रेम की उपलब्धि भी इसी कांड की अद्भुत देन है। रामलीला सिर्फ भारत ही नहीं दुनिया भर में बहुत लोकप्रिय है। इंडोनेशिया जैसे मुस्लिम बहुल देश में भी रामलीला का मंचन लाजवाब कर देता है। रामलीला के मुखौटे का कभी किसी एक से साम्य करना भी मुश्किल है। इंडोनेशिया के कलाकार जब अपनी संगीत और अभिनय प्रधान पारंपरिक चकचक रामलीला में विशेष वेशभूषा व मुखौटे धारण कर प्रसंगों का मंचन करते है तो भक्ति भाव से मन झूम उठता है। इंडोनेशिया में जब राम सीता प्रणय, सीताहरण, सीता खोज, राम-रावण युद्ध व राम विजय के प्रसंग राम लीला में दिखाए जाते हैं तो आदिकाल से अनंतकाल तक स्थापित हनुमान की स्वामी भक्ति का जीवंत चित्रण सामने आ जाता है। इस दक्षिण पूर्वी व मुस्लिम बाहुल्य देश में हनुमान भारत से ज्यादा प्रासंगिक दिखाई देते हैं।

बनारस की रामलीला में कपड़े, धातु और लुगदी के 20-20 मुखौटे इस्तेमाल होते हैं। इनकी डिजाइन का स्त्रोत आश्चर्यजनक परिणाम दे सकता है। रामलीला के हनुमान के मुखौटे तथा दक्षिण में शुचीन्द्रम के हनुमान विग्रह का साम्य रूप, श्रीलंका के लकड़ी के मुखौटे और बनारस के मुखौटों की समरूपता, ओडीशा के देवी मुखौटों व बनारस के काली दुर्गा मुखौटों की एक रूपता बहुत सी कल्पनाएं जगाते हैं। कथकली और यक्षगान की रूप सज्जा और बनारस के काली, दुर्गा और गाय घाट रामलीला के वानर मुखौटों की एक रूपता अनेक संस्कृतियों को जोड़ती हुई दिखाई पड़ती है। रामलीला के कागज तथा बांस से बने रावण, मेघनाथ, जटायु, सुरसा, पर्वत, चारों फाटक और शेष नाग आदि की बनावट और कारीगरी में अनेक सभ्यताओं और संस्कृतियों का सुंदर समन्वय है और मोहर्रम के ताजियों की सजावट से भी इसकी साम्यता गहरे संदेश देती है। राम लीला के पात्रों की वेशभूषा में मुगलकाल की झलक दिखती है। हनुमान और अन्य वानरों के घाघरे राजस्थान और गुजरात से जोड़ते हैं। राम लीला में राक्षसों की रूप सज्जा में केरल शैली दिखती है, पारसी नाटकों का प्रभाव में इसमें दिख जाता है। इस प्रकार हनुमान के चरित्र और रामलीला में दुनिया की विभिन्न संस्कृतियों के जीवंत दर्शन होते हैं।

अद्भुत रामायण में एक जगह उल्लेख है कि एक सुबह हनुमान जी को भूख लगी तो वे माता जानकी के पास पहुंचे। माता की मांग में सिंदूर देखकर हनुमान ने आश्चर्य चकित होकर पूछा, माता आपने यह क्या और क्यों लगा रखा है। इस पर माता जानकी ने बताया कि पुत्र, यह सुहागिन स्त्रियों का प्रतीक, मंगल सूचक, सौभाग्य वर्धक सिंदूर है, जो स्वामी की दीर्घ आयु के लिए जीवन पर्यन्त लगाया जाता है। हनुमान थे तो स्वामी भक्त, उन्होंने अपने स्वामी श्री राम को अजर अमर करने के लिए सारे शरीर पर ही सिंदूर लगा लिया। वास्तव में भगवान राम के आदर्शों को हनुमान अजर अमर रखना चाहते थे और उनकी गुरु की प्रति प्रतिबद्धता दिखाई भी पड़ती है। राम के आदर्शों में समूची मानव जाति का कल्याण और विकास समाहित है अतः हनुमान की प्रतिबद्धता भी समूची मानव जाति के प्रति है, जिसमें सार्वभौमिकता समाहित है। इस युग का बड़ा सवाल यह है कि रावण के दर्प को चूर करने वाले हनुमान जातीय भेद और दंभ को कैसे चूर करें। दरअसल राजनीतिज्ञ का दर्शन शास्त्री होना अच्छा माना जाता है। इस युग में भी ऐसे दर्शन शास्त्री है जो आध्यात्म का जाति से अद्भुत समन्वय स्थापित करने को प्रतिबद्ध नजर आ रहे है। हनुमान के शरीर में पशु और मनुष्य के बीच विरोधाभास दिखाई देता है लेकिन शूरता, वीरता, पराक्रम के वे स्वरूप तो है ही साथ ही बुद्धिमत्ता, विद्वत्ता, नीतिमत्ता, सरलता और सौम्यता के भी अद्भुत आदर्श हैं। अतः वे गुरु रूप में भी उपास्य हैं। हनुमान जैसा श्रेष्ठ सदगुरु सर्वदा सर्व सुलभ है। हनुमान के स्मरण से ही मनुष्य में बुद्धि, बल, यश, धैर्य, निर्भयता, निरोगता और विवेक जैसे गुण स्वभावतः आ जाते हैं। जिस मनुष्य, जाति या समाज में ऐसे गुणों की सरलता और संस्कारों की सौम्यता दिखाई पड़े, वहां हनुमानजी की उपस्थिति अवश्य होगी।

हनुमान के एक व्यक्तित्व की एक और विशेषता है कि वे अत्यधिक शारीरिक बल के स्वामी हैं। इस कारण पहलवान उनकी आराधना करते हैं। हर कुश्ती के अखाड़े में हनुमान जी की मूर्ति होती है तथा जय बजरंग बली का नारा गूंजता है। महाबली तथा वज्र के समान अंगों वाले हनुमान शक्ति, बल, वीर्य, ओज और स्फूर्ति के प्रदाता हैं। हनुमान को जाति, धर्म में ढूंढने वाले राजनीतिक अखाड़े के बाहुबली उनके जैसा शारीरिक बल प्राप्त करने की जिजीविषा लिए भले ही अपनी राजनीति को स्फूर्ति प्रदान करते रहे लेकिन असल में हनुमान जागृत देवता हैं। वे त्रेता युग में राम के साथ थे, कृष्ण के द्वापर युग में भीम के साथ उनका सामना होता है। कहते हैं कलयुग में राम चरित मानस के समय भी वे तुलसीदास को दोहा सुनाते हैं। जाहिर है हनुमान अब भी हैं और मनुष्यता से रचे बसे हैं, मनुष्यता के मिलते ही हनुमान भी प्रकट हो जाएंगे। इस समय मानवीय मूल्य संकट में है, इसीलिए हनुमान की जाति पर भी अस्तित्व का संकट गहरा गया है।

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

गलत राह पर हैं चंद्रबाबू नायडू

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अपने राज्य के लोगों से अपील की है कि वे दो से ज्यादा बच्चे पैदा करें। ऐसा करने वाले कपल को इंसेंटिव भी मिलेगा। नायडू की यह अपील सही नहीं है। देश पहले से ही जनसंख्या के भार से दबा है और समस्याएं अनंत हैं।

देश में जनसंख्या नियंत्रित करने को लेकर जारी सरकारी प्रयास को बढ़ावा दिए जाने के इतर जब ज्यादा बच्चे पैदा करने की वकालत की जाने लगे, तो यह मान लेना होगा कि हमें देश से ज्यादा एक राज्य या एक पार्टी की चिंता ज्यादा है। इसी भाव को आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दिखाया है। नायडू ने अपने राज्य के लोगों से अपील की है कि वे दो से ज्यादा बच्चे पैदा करें। ऐसा करने वाले कपल को इंसेंटिव भी दिया जाएगा। नायडू ने अपने ही राज्य के उस नियम को खत्म कर दिया है, जिसमें दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले आदमी को स्थानीय निकाय चुनाव में लड़ने की अनुमति नहीं दी जाती थी। इस नियम के पीछे नायडू का तर्क है कि आंध्र प्रदेश में 10 साल की जनसंख्या वृद्धि में 1.6 प्रतिशत की कमी आई है, जिससे राज्य की डेमोग्राफी पर असर पड़ा है। नायडू ने जनसंख्या वृद्धि की यह बात पहली बार नहीं की है। मार्च 2016 में भी नायडू ने कहा था कि राज्य की जनसंख्या में भारी कमी आई है, ऐसी ही दिक्कत का सामना चीन और जापान कर रहे हैं, जहां पहले जनसंख्या ज्यादा होने की वजह से परिवार नियोजन लाना पड़ा फिर वहां युवाओं की जनसंख्या कम हो गई।

नायडू की बात में गंभीरता का भाव नहीं है। वे कह रहे हैं कि उनके राज्य की जनसंख्या कम हो गई है। यह तो देश के किसी भी राज्य के लिए बेहतर उदाहरण है। आज जब सारे राज्य जनसंख्या नियंत्रण की वकालत कर रहे हों, ऐसे में एक राज्य के मुख्यमंत्री का अपने लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने की बात करना हास्यास्पद है। क्या चंद्रबाबू नायडू यह भूल गए हैं कि जनसंख्या वृद्धि के नुकसान कितने ज्यादा होते हैं। नायडू ने अपनी इस स्कीम को सही ठहराने के लिए प्रदेश की गिरती जन्मदर को वजह बताया है। उन्होंने बताया, राज्य में जन्मदर 2014 में 1000 पर 37 प्रतिशत थी, जो गिरकर अब 2018 में 10.51 प्रतिशत पर आ गई। यह आंकड़ा किसी भी राज्य के लिए उपलब्धि की श्रेणी में आता है न कि समस्या के रूप में। नायडू ने यह अजीबोगरीब फरमान उस समय जारी किया है, जब पिछले 25 साल में उनके राज्य की कुल जनसंख्या के मुकाबले 50 प्रतिशत युवाओं की जनसंख्या बढ़ी है।

नायडू को ज्यादा बच्चे पैदा करने की बात करने से पहले देश की स्थिति पर नजर डालनी चाहिए थी। देश में जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के कारण बेरोजगारी, खाद्य समस्या, कुपोषण, प्रति व्यक्ति निम्न आय, निर्धनता में वृद्धि, मकानों की समस्याएं, कीमतों में वृद्धि और कृषि विकास में बाधा, बचत व पूंजी निर्माण में कमी, जनोपयोगी सेवाओं पर अधिक व्यय, अपराधों में वृद्धि तथा शहरी समस्याओं में वृद्धि जैसी ढेर सारी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। इनमें सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी की ही है। पूंजीगत साधनों की कमी के कारण रोजगार मिलने में कठिनाई उत्पन्न हो रही है। ऐसे में अगर हमारे नेता ही ज्यादा बच्चों की बात करेंगे, तो समस्या कम नहीं होगी।

गगनयान : अंतरिक्ष में बड़ी छलांग

सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान को अंतरिक्ष में भेजने की स्वीकृति दे दी है। इस यान में तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्री कम से कम सात दिन अंतरिक्ष की सैर करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने इस परियोजना के लिए 10 हजार करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। इसे 40 महीनों के भीतर अंतरिक्ष में छोड़ने की समय-सीमा तय की गई है। अब तक भारतीय या भारतीय मूल के तीन वैज्ञानिक अंतरिक्ष की यात्रा कर चुके हैं। राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय हैं। शर्मा रूस के यान सोयुज टी-11 से अंतरिक्ष गए थे। इनके अलावा कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स भी अमेरिकी कार्यक्रम के तहत अंतरिक्ष जा चुकी हैं। नरेंद्र मोदी ने इसी साल 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से 2022 तक अंतरिक्ष में मानव भेजने की घोषणा की थी। जिस पर अब क्रियान्वयन की हरी झंडी मिल गई है।

सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान को अंतरिक्ष में भेजने की स्वीकृति दे दी है। इस यान में तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्री कम से कम सात दिन अंतरिक्ष की सैर करेंगे। भारत इस अभियान को लेकर इतना उत्साहित है कि वह मानवयुक्त यान भेजने से पहले दो मानव रहित यान भी भेजेगा और उसकी सफलता आंकने के बाद ही मिशन शुरू करेगा।

अंतरिक्ष में मानवरहित और मानवचालित दोनों तरह के यान भेजे जाएंगे। पहले चरण की सफलता को परखने के लिए अलग-अलग समय में दो मानव-विहीन यान अंतरिक्ष की उड़ान भरेंगे और इनकी कामयाबी के बाद मानव-युक्त यान अपनी मंजिल का सफर तय करेगा। यह सावधानी इसलिए बरती जा रही है, क्योंकि अमेरिकी मानव मिषन की असफलता के चलते भारतीय सुनीता विलिम्यस की जान चली गई थी। यदि भारत इस मिशन में कामयाबी हासिल कर लेता है तो ऐसा करने वाला वह दुनिया का चौथा देश हो जाएगा। अब तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही अंतरिक्ष में अपने मानवयुक्त यान भेजने में सफलता पाई है। रूस ने 12 अप्रैल-1961 को अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन को अंतरिक्ष में भेजा था। गागरिन दुनिया के पहले अंतरिक्ष यात्री थे। अमेरिका ने पांच मई 1961 को एलन शेपर्ड को अंतरिक्ष में भेजा था। ये अमेरिका से भेजे गए पहले अंतरिक्ष यात्री थे। चीन ने 15 अक्टूबर 2013 को यांग लिवेई को अंतरिक्ष में भेजने की कामयाबी हासिल की थी। भारत ने अब अंतरिक्ष में बड़ी छलांग लगाने की पहल कर दी है।

भारत द्वारा अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले गगनयान का भार सात टन, ऊंचाई सात मीटर और चार मीटर व्यास की गोलाई होगी। गगनयान जीएसएलवी (एमके-3) रॉकेट से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के बाद 16 मिनट में अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंच जाएगा। इसे धरती की सतह से 300-400 किमी की दूरी वाली कक्षा में स्थापित किया जाएगा। सात दिन तक कक्षा में रहने के बाद गगनयान को अरब-सागर, बंगाल की खाड़ी अथवा जमीन पर उतारा जाएगा। इस संबंध में पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा से भी मदद ली जाएगी। शर्मा ऐसे पहले भारतीय हैं, जो अप्रैल 1984 में सोयुज-टी 11 से अंतरिक्ष में गए थे। यह यान रूस ने छोड़ा था। अब भारत के गगनयान अभियान में रूस और फ्रांस भी स्वेच्छा से मदद देने को तैयार हो गए हैं। इसरो के प्रमुख डॉ. के सिवन का कहना है कि 2022 तक की जो समय-सीमा तय की गई है, उसमें लक्ष्य हासिल करना मुष्किल है, फिर भी हम गगनयान को इसी सीमा में प्रक्षेपित करने में सफल होंगे। अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले यात्रियों को व्योमनॉट्स नाम से पुकारा जाएगा। यह शब्द दुनिया की आदी भाषा संस्कृत से लिया गया है। जिसका अर्थ अंतरिक्ष है। दरअसल संस्कृत में लिखे प्राचीन भारतीय ग्रंथ ऋग्वेद, बाल्मीकी रामायाण व उपनिषद् ऐसे ग्रंथ हैं, जिनमें अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पराग्रहियों (एलियन) का जिक्र है। ये विभिन्न ग्रहों की यात्रा करते और उन पर रहते दिखाए गए हैं।

जाहिर है, महाप्रलय से पहले मानव ने अंतरिक्ष यात्रा में सफलता प्राप्त कर ली थी। दरअसल, मनुष्य का जिज्ञासु स्वभाव उसकी पकृति का हिस्सा रहा है। मानव की खगोलीय खोजें उपनिषदों से शुरू होकर अंतरिक्ष व ग्रह-उपग्रहों तक पहुंची हैं। पूर्वजों ने शून्य व उड़न तश्तरियों जैसे विचारों की परिकल्पना की थी। शून्य का विचार ही वैज्ञानिक अनुसंधानों का केंद्र बिंदु है। 12वीं सदी के खगोल विज्ञानी आर्यभट्ट और उनकी गणितज्ञ बेटी लीलावती के अलावा वराहमिहिर, भास्कराचार्य और यवनाचार्य ब्रह्मांड के रहस्यों को खंगालते रहे हैं। इसीलिए हमारे वर्तमान अंतरिक्ष कार्यक्रमों के संस्थापक वैज्ञानिक विक्रम साराभाई और सतीष धवन ने देश के पहले स्वदेशी उपग्रह का नामाकरण आर्यभट्ट के नाम से किया था।

दरसअल अंतरिक्ष में मौजूद ग्रहों पर यानों को भेजने की प्रक्रिया बेहद जटिल और शंकाओं से भरी होती है। यदि अवरोह का कोण जरा भी डिग जाए या फिर गति का संतुलन थोड़ा सा ही लड़खड़ा जाए तो कोई भी अंतरिक्ष-अभियान या तो ध्वस्त हो जाता है, या फिर अंतरिक्ष में कहीं भटक जाता है। इसे न तो खोजा जा सकता है न ही नियंत्रित करके दोबारा लक्ष्य पर लाया जा सकता है। इसीलिए भारत पहले दो मानवरहित यान भेजेगा। भारत ने गगनयान को अंतरिक्ष में भेजने की दृष्टि से श्रीहरिकोटा में जीएसएलवी मार्क-3 को स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी के अंतर्गत इसरो ने परीक्षण के तौर पर क्रू एस्केप मॉड्यूल का पहला पड़ाव पार कर लिया है। इसे धरती से 2.7 किमी की ऊंचाई पर भेजने के बाद रॉकेट से अलग किया और फिर इसे पैराशूट की मदद से बंगाल की खाड़ी में उतारकर जमीन के निकट लाने में सफलता प्राप्त की। विज्ञान मामलों के जानकर पल्लव बागला का कहना है कि जो क्रू मॉड्यूल बना है, वह तीन लोगों को अंतरिक्ष में ले जाने की क्षमता रखता है, इसमें सवार यात्रियों को एक सप्ताह तक भोजन-पानी और हवा देकर जीवित रखा जा सकता है। ऐसी उम्मीद है कि वायुसेना के किसी एक पायलट को अंतरिक्ष यात्रा का अवसर मिल सकता है, क्योंकि उनमें अंतरिक्ष में पहुंचकर वापस आने की ज्यादा क्षमता होती है। इस अभियान को स्वदेशी प्रोद्यौगिकी से तैयार किया जा रहा है।

फिलहाल इसमें किसी अन्य देश और निजी कंपनी के दखल की जानकारी नहीं है। हालांकि यह उम्मीद जताई गई है कि औद्योगिक घरानों की मदद से इसरो फ्लाइट्स से जुड़े हार्डवेयर व अन्य उपकरणों को जुटाएगा। देश के विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद् और प्रयोगशालाओं की भी अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षण में मदद ली जाएगी। अंतरिक्ष में मानव मिशन और उससे होने वाले लाभ-हानि पर सवाल उठते रहे हैं। इसरो के ही पूर्व अध्यक्ष जी माधवन नायर ने मंगल व चंद्रमा पर मानव बस्तियां बसाने की संभावनाओं को कपोल-कल्पना कहा था। उनका कहना था कि मार्स रोवल के आकलन के आधार पर नासा की ओर से सार्वजनिक तौर पर यह दावा किया जा चुका है कि मंगल और चंद्रमा पर पानी और मीथेन गैसें नहीं होने के कारण जीवन की रत्तीभर भी उम्मीद नहीं है, अतएव ये कोशिशें मूर्खतापूर्ण हैं। नायर ने यह टिप्पणी भारत द्वारा मंगल ग्रह पर यान भेजने में सफलता हासिल करने के बाद कही थी।

बहरहाल मिशन के सफल होने के बाद ही चंद्रमा और मंगल पर मानव भेजने का रास्ता खुलेगा। इन पर बस्तियां बसाने की संभावनाएं बढ़ेंगी। आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष पर्यटन के बढ़ने की उम्मीद होगी। इसरो की यह सफलता अंतरिक्ष पर्यटन की पृष्ठभूमि का एक हिस्सा है। यह अभियान अंतरिक्ष शोधकार्यों को बढ़ावा देगा तो अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रोद्यौगिकी तैयार करने में मदद मिलेगी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के वैज्ञानिकों का दावा है कि दवा, कृषि, औद्योगिक सुरक्षा, प्रदूषण, कचरा प्रबंधन तथा पानी एवं खाद्य स्त्रोत प्रबंधन के क्षेत्र में भी तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

प्रमोद भार्गव
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

चंद्रबाबू नायडू को भी देश की चिंता है, लेकिन अपने राज्य की भलाई की बात करना कहां गलत है। राज्य का विकास और लोगों की भलाई की बात करना सही है।

वाई. रामकृष्ण नायडू, मंत्री आंध्रप्रदेश

देश में जनसंख्या से निपटने के दौर में ज्यादा बच्चे पैदा करने की वकालत करना मूर्खता है। एक मुख्यमंत्री द्वारा इस तरह की बातें कही जाएंगी, तो अच्छा नहीं होगा।

संबित पात्रा, भाजपा प्रवक्ता

सत्यार्थ

सच्ची सेवा का मतलब

एक बार एक अनुभवी हकीम गुरु गोविंद सिंह के दर्शन करने के लिए आनंदपुर आया। जब वह गुरु गोविंद सिंह से मिलकर अपने घर वापस लौटने लगा, तो उन्होंने उसे गुरु मंत्र देते हुए कहा-जाओ, तुम दीन-दुखियों की मन लगाकर सेवा करो। हकीम अपने घर आकर पूर्ण समर्पण भाव से हकीमी करने लगा। जब भी कोई बीमार आदमी उसके पास आता, वह सेवा समझकर बड़े प्रेम से उसका उपचार कर देता।

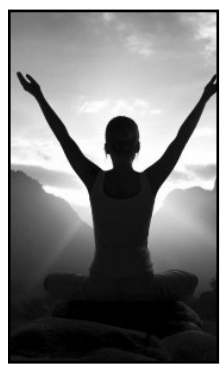

एक दिन सुबह के समय हकीम इबादत में लीन था, तभी गुरु गोविंद सिंह उसके घर आ पहुंचे। हकीम को इबादत में तल्लीन देखकर वे उसके पास बैठ गए। हकीम को गुरु गोविंद सिंह के आने का पता ही नहीं चला। तभी किसी ने बाहर से आवाज लगाई-हकीम जी, मेरे पड़ौसी की तबीयत बहुत खराब है। उसे बचा लीजिए। यह आवाज सुनकर जब हकीम ने आंखें खोलीं, तब गुरु गोविंद सिंह को पास बैठा पाया। वह असमंजस में पड़ गया कि उस आदमी के साथ जाए या फिर बहुत दूर से आए गुरुजी की सेवा करे। हकीम ने उस आदमी के साथ जाने का निश्चय किया और रोगी का समुचित इलाज करने के बाद ही वापस लौटा। लौटने पर उसने देखा कि गुरु गोविंद सिंह अभी तक उसके इंतजार में ही बैठे थे। गुरुजी को इंतजार कराने के लिए उसे बहुत ही अपराध-बोध हुआ। वह उनके पैरों में गिर कर क्षमा मांगने लगा। तब गुरु जी ने हकीम को गले से लगा लिया और बोले कि मैं तुम्हारे कर्तव्य पालन और सच्चे सेवा भाव से बहुत प्रसन्न हूं। मेरे यहां होने के बावजूद तुम मरीज की सेवा करने चले गए। तुमने अपना कर्तव्य निभाकर मुझको सच्ची खुशी प्रदान की है। वास्तव में दीन-दुखियों की सेवा ही अपने गुरुदेव की सच्ची सेवा करना है। यही काम धर्म भी है।

राधा नाचीज

सार समाचार

बांग्लादेश में विपक्षी गठबंधन ने चुनाव को खारिज किया, फिर से मतदान कराने की मांग की

ढाका। बांग्लादेश के विपक्षी एनयूएफ गठबंधन ने रविवार को आम चुनाव के परिणाम को खारिज कर दिया और निष्पक्ष कार्यवाहक सरकार के अंतर्गत फिर से मतदान कराने की मांग की। इस गठबंधन में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बीएनपी भी है । नेशनल यूनिटी फ्रंट (एनयूएफ) में मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), गोनो फोरम, जातीय समाजतांत्रिक दल-जेएसडी, नागोरिक ओइकिया और कृषक श्रमिक जनता लीग है। एनयूएफ के संयोजक और गोनो फोरम पार्टी का नेतृत्व करने वाले कमल हुसैन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम परिणाम को खारिज करते हैं और निष्पक्ष सरकार के अंतर्गत नये चुनाव की मांग करते हैं।'' उनका बयान ऐसे वक्त में आया है जब शुरूआती रूझानों में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सत्तारूढ़ अवामी लीग नीत गठबंधन को भारी जीत मिलती दिख रही है। हुसैन ने कहा कि हम चुनाव रद्द करने के लिए कह रहे हैं । हमें खबरें मिली हैं कि करीब सभी केंद्रों पर धांधली की गयी।

टेरेसा मे का समझौता अस्वीकार्य होने पर ब्रेक्जिट की संभावना '50-50': ब्रिटिश मंत्री

लंदन। ब्रिटेन के एक वरिष्ठ मंत्री ने आगाह किया है कि प्रधानमंत्री टेरेसा मे के ब्रेक्जिट सौदे को अगर ब्रिटिश सांसद खारिज कर देते हैं तो यूरोपीय संघ से बाहर होने की ब्रिटेन की संभावना केवल 50 फीसदी है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार सचिव एवं 2016 के जनमत संग्रह के दौरान ब्रेक्जिट के मुखर प्रचारक रहे लियाम फॉक्स ने मे के खिलाफ वोट करने की योजना को लेकर चेताया है कि केवल उनकी (मे की) योजना ही यह सुनिश्चित करने का एकमात्र रास्ता है कि ब्रिटेन ईयू से अलग हो जाए। उन्होंने संडे टाइम्स से कहा कि अगर हम उसके लिए वोट नहीं करेंगे तो वह इस बारे में निश्चित तौर पर नहीं कह सकते कि ब्रिटेन के ईयू से अलग होने की संभावना 50 फीसदी से ज्यादा है।

कांगो में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान हिंसा में चार लोगों की मौत

किन्शासा। कांगो में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव के दौरान पूर्वी साउथ-किवू प्रांत में हुई हिंसा में एक पुलिस अधिकारी और एक चुनाव अधिकारी सहित चार लोगों की मौत हो गई। विपक्षी उम्मीदवार फेलिक्स त्शिसकेदी के प्रचार से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी। प्रचार अभियान के निदेशक विटल कामेरहे ने 'एएफपी' को बताया कि इन अधिकारियों के साथ दो अन्य नागरिक वालुंगू इलाके में मतदान केन्द्र पर हुई हिंसा में मारे गए। उन्होंने बताया कि चुनाव अधिकारी के एमैनुएल रामजीनी शादरी के पक्ष में वोट में धांधली करने का आरोप लगाने के बाद हिंसा भड़की। शादरी राष्ट्रपति जोसेफ कबीला के उम्मीदवार हैं जो पिछले 17 साल से सत्ता में है। कामेरहे ने कहा, ''गुस्साई भीड़ ने पुलिस के साथ लड़ना शुरू कर दिया। इसमें एक पुलिस अधिकारी की जान चली गई, जिसका हमें बेहद खेद है।''

इसके बाद भीड़ ने ''चुनाव अधिकारी पर हमला कर दिया जिसकी मौत हो गई। दो नागरिक भी मारे गए।''साउथ-किवू प्रांत के अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। चुनाव से कांगो को पहली बार शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण का एक मौका मिला है क्योंकि बेल्जियम से 1960 में स्वतंत्र होने के बाद से ऐसा संभव नहीं हो पाया है।

गगनयान से अंतरिक्ष में 3 भारतीय भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने साल 2018 में अंतरिक्ष क्षेत्र में विशेष कीर्तिमान स्?थापित किए हैं. इनमें से एक है गगनयान अभियान की घोषणा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में पांच महीने पहले परियोजना की घोषणा की थी और मंत्रिमंडल ने 9,023 करोड़ की इस परियोजना को मंजूरी दे दी. उन्होंने कहा था कि यह परियोजना 2022 तक अमल में आएगी. इसके लिए तैयारी भी पूरी कर ली गई है.

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 28 दिसंबर को गगनयान परियोजना को मंजूरी दे दी जिसके तहत तीन सदस्यीय दल को कम से कम सात दिनों के लिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा. केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बताया था, ''इस मिशन के तहत पृथ्वी की निचली कक्षा में तीन सदस्यीय दल को कम से कम सात दिनों के लिए भेजा जाएगा.''

इस मिशन के पूरा होने पर रूस, अमेरिका और चीन के बाद भारत चौथा ऐसा देश बन जाएगा, जो अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत इंसान को अंतरिक्ष में भेजेगा. परियोजना पर पिछले कुछ समय से काम चल रहा था. भारत ने मिशन में सहायता के लिए रूस और फ्रांस के साथ पहले ही समझौता कर रखा है.

एक सरकारी बयान के मुताबिक स्वीकृति की तारीख से 40 महीनों के अंदर पहली मानव चालित अंतरिक्ष उड़ान के प्रदर्शन का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा. इसके पहले दो मानव रहित उड़ान भेजी जाएंगी जिससे प्रौद्योगिकी तथा मिशन प्रबंधन पहलुओं में विश्वास बढ़ाया जा सके.

मानव चलित अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए अधिकांश जरूरी आधारभूत प्रौद्योगिकी का विकास और प्रदर्शन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) कर चुका है. बयान में कहा गया है ''गगनयान कार्यक्रम के लिए कुल धन की आवश्यकता 10,000 करोड़ रुपये के भीतर है और इसमें प्रौद्योगिकी विकास लागत, विमान हार्डवेयर प्राप्ति तथा आवश्यक ढांचागत तत्व शामिल हैं. दो मानवरहित उड़ान तथा एक मानवचालित उड़ान गगनयान कार्यक्रम का हिस्सा होंगी.'

इसमें कहा गया कि गगनयान कार्यक्रम इसरो तथा शिक्षा जगत, उद्योग, राष्ट्रीय एजेंसियों तथा अन्य वैज्ञानिक संगठनों के बीच सहयोग के लिए व्यापक ढांचा तैयार करेगा. बयान के मुताबिक इससे रोजगार सृजन होगा और एडवांस टेक्नोलॉजी में मानव संसाधानों को प्रशिक्षित किया जाएगा.

इसरो के चेयरमैन के अनुसार तीनों अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में करीब सात दिनों तक रहेंगे. इसके बाद चालक दल तीनों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर गगनयान के जरिये अरब सागर, बंगाल की खाड़ी या जमीन के किसी हिस्से पर उतर सकता है. उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ से छह महीने पहले ही हासिल कर ली जाएगी.

इराक की जेल में बंद रूसी महिला लड़ाकों के बच्चे लौटे घर

मॉस्को (एजेंसी)।

इराक में इस्लामिक स्टेट की जेलों में बंद महिलाओं के 30 रूसी बच्चे रविवार को बगदाद से मास्को पहुंचे. इन बच्चों की आयु तीन से 10 वर्ष के बीच है. रूसी राजनयिक सूत्रों ने 'एएफपी' को उनके विमान के रवाना होने से पहले बताया कि इन बच्चों के पिता जिहादियों के खिलाफ इराक की लड़ाई (जो तीन वर्ष तक चली) में मारे गए थे.

चेचन नेता रमजान कादिरोव ने अपने 'टेलीग्राम अकाउंट' पर विमान के मॉस्को के 'झुकोव्स्की अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' पर पहुचने की जानकारी दी. उन्होंने लिखा, ''रूसी आपात स्थिति मंत्रालय का विमान पहुंच चुका है.' कादिरोव ने कहा, 'सीरिया और इराक में महिलाओं और बच्चों को बचाने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा शुरू किए अभियान के पूर्ण होने का यह प्रमाण है.'' उन्होंने कहा, 'अगर हम उन्हें घर नहीं लाते वे अन्य देशों की विशेष सेवाओं का निशाना बन जाते.' रूस की संवाद समिति 'इंटरफैक्स' के अनुसार रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि बच्चों के यहां पहुंचते ही उन्हें चिकित्सीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया. कादिरोव द्वारा संचालित इस कार्यक्रम के तहत पिछले साल से अब तक करीब 100 महिलाएं तथा बच्चे वापस लौटे हैं. इस बीच, रविवार को इराकी प्रधानमंत्री आदिल अब्दुल-माह्दी ने बच्चों के अधिकारों के लिए रूसी राष्ट्रपति की दूत एना कुजनेत्सोवा से बगदाद में बातचीत की. इराकी प्रधानमंत्री के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान अब्दुल माह्दी ने कहा 'मानवीय मुद्दों और आतंकवादी अपराधों के बीच अंतर किया जाना चाहिए.' उन्होंने कहा, 'ये बच्चे भी पीड़ित हैं.' बगदाद ने पिछले साल दिसंबर में आईएस के खिलाफ जीत की घोषणा की थी लेकिन जिहादियों ने स्लीपर सेल बनाए रखे और समय-समय पर हिट एंड रन हमले किए.

इराक में इस्लामिक स्टेट की जेलों में बंद बच्चे बगदाद से वापस घर लौटे

मास्को (एजेंसी)।

इराक में इस्लामिक स्टेट की जेलों में बंद महिलाओं के 30 रूसी बच्चे रविवार को बगदाद से मास्को पहुंचे। इन बच्चों की आयु तीन से 10 वर्ष के बीच है। रूसी राजनयिक सूत्रों ने 'एएफपी' को उनके विमान के रवाना होने से पहले बताया कि इन बच्चों के पिता जिहादियों के खिलाफ इराक की लड़ाई (जो तीन वर्ष तक चली) में मारे गए थे।चेचन नेता रमजान कादिरोव ने अपने 'टेलीग्राम अकाउंट' पर विमान के मॉस्को के 'झुकोव्स्की अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' पर पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ''रूसी आपात स्थिति मंत्रालय का विमान पहुंच चुका है।''

कादिरोव ने कहा, ''सीरिया और इराक में महिलाओं और बच्चों को बचाने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा शुरू किए अभियान के पूर्ण होने का यह प्रमाण है।''उन्होंने कहा, ''अगर हम उन्हें घर नहीं लाते वे अन्य देशों की विशेष सेवाओं का निशाना बन जाते।' रूस की संवाद समिति 'इंटरफैक्स' के अनुसार रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रेस सेवा ने कहा कि बच्चों के यहां पहुंचते ही उन्हें चिकित्सीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। कादिरोव द्वारा संचालित इस कार्यक्रम के तहत पिछले साल से अब तक करीब 100 महिलाएं तथा बच्चे वापस लौटे हैं।

इस बीच, रविवार को इराकी प्रधानमंत्री आदिल अब्दुल-माह्दी ने बच्चों के अधिकारों के लिए रूसी राष्ट्रपति की दूत एना कुजनेत्सोवा से बगदाद में बातचीत की। इराकी प्रधानमंत्री के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान अब्दुल माह्दी ने कहा ''मानवीय मुद्दों और आतंकवादी अपराधों के बीच अंतर किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''ये बच्चे भी पीड़ित हैं।'' बगदाद ने पिछले साल दिसम्बर में आईएस के खिलाफ जीत की घोषणा की थी लेकिन जिहादियों ने स्लीपर सेल बनाए रखे और समय-समय पर हिट एंड रन हमले किए।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी समकक्ष शेख हसीना को दी चुनाव में जीत पर बधाई

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय चुनावों में जीत के लिए अपनी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना को फोन कर हार्दिक बधाई दी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत और बांग्लादेश के बीच साझेदारी हसीना के दूरदर्शितापूर्ण नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ती रहेगी। हसीना की जीत पर उन्हें बधाई देने वाले मोदी पहले नेता थे जिसके लिए हसीना ने उन्हें शुक्रिया कहा। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा ''प्रधानमंत्री ने पड़ोसी होने के नाते, क्षेत्रीय विकास, सुरक्षा एवं सहयोग के लिए करीबी साझेदार होने के नाते और भारत की 'पड़ोस पहले' की नीति की धुरी होने के नाते बांग्लादेश के लिए नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता भी दोहराई।'' दोनों नेताओं की बातचीत को पूरी तरह गर्मजोशी भरी करार देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि इससे भारत और बांग्लादेश के बीच करीबी एवं परंपरागत मैत्री संबंध साफ जाहिर होते हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने लोकतंत्र, विकास तथा बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के दृष्टिकोण में भरोसा मजबूत करने के लिए बांग्लादेश की जनता को बधाई दी। विदेश मंत्रालय ने कहा ''प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सबसे पहले बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद कहा। साथ ही उन्होंने उस लगातार एवं उदार सहयोग के लिए भारत को शुक्रिया कहा जिससे बांग्लादेश के विकास में मदद मिली। उन्होंने, प्रधानमंत्री मोदी की इस बारे में प्रतिबद्धता जताने पर सराहना भी की।''

मजबूती से बढ़ रहे हैं भारत-रूस संबंध: व्लादिमीर पुतिन

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नववर्ष पर शुभकामना संदेश भेजे हैं और कहा है कि दोनों देशों के बीच संबंध रचनात्मक तरीके से एवं मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। रूसी दूतावास के अनुसार, दोनों भारतीय नेताओं को शुभकामनाएं देते हुए पुतिन ने कहा कि अक्टूबर में भारत-रूस सालाना शिखर वार्ता के दौरान हुए समझौतों ने दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में योगदान दिया है। कोविंद और मोदी को भेजे अपने नववर्ष संदेश में रूस के राष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि दोनों देशों के बीच संबंध रचनात्मक एवं मजबूत तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। इसमें कहा गया, ''व्लादिमीर पुतिन ने भरोसा जताया कि संयुक्त कोशिशों से विभिन्न क्षेत्रों में आपसी लाभकारी सहयोग और बढेगा तथा संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, एससीओ, जी20 और अन्य बहुराष्ट्रीय संस्थाओं में क्षेत्रीय एवं वैश्विक एजेंडे के अहम मुद्दों पर वृहद समन्वय प्रयास तेज होंगे।''

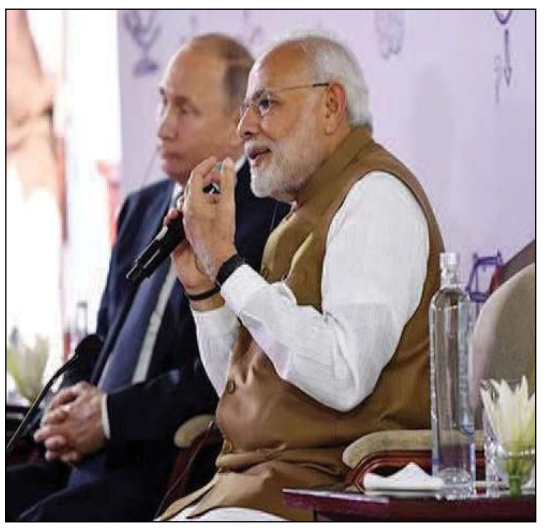

अंतरिक्ष में नए कीर्तिमान गढ़ भारत ने दुनिया में जमाई धाक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अंतरिक्ष क्षेत्र में वर्ष 2018 में भारत का बोलबाला रहा. गगनयान मिशन को मंजूरी, सबसे भारी संचार उपग्रह जीसैट-11, नवीनतम संचार उपग्रह जीसैट 29 और वायुसेना के लिए संचार उपग्रहण जीसैट 7ए के प्रक्षेपण सहित कई मिशनों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया. साल भर हुए कुछ प्रमुख अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर गौर करें तो भारत ने 2018 में कई उपलब्धियां हासिल कीं. साल 2018 के पहले माह से बात शुरू करें तो 10 जनवरी को प्रख्यात वैज्ञानिक के. सिवन के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की कमान संभालने के साथ भारत ने 12 जनवरी को ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-सी 40) के जरिए 28 विदेशी उपग्रहों के साथ 31 उपग्रहों का प्रक्षेपण और उन्हें सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया.

सिवन ने इसरो की 2018 की उपलब्धियां साझा करते हुए कहा, 'कई रॉकेट और उपग्रहों के प्रक्षेपण के साथ यह साल काफी व्यस्तताओं वाला रहा. सबसे बड़ी उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गगनयान की घोषणा रही. यह एक प्रमुख घोषणा है. उन्होंने कहा, ÷हमने जीसैट 11, जीसैट 29, जीसैट 6ए और जीसैट 7ए जैसे महत्वपूर्ण उपग्रह लॉन्च किए. इस साल जीएसएलवी एमके तृतीय ने भी काम करना शुरू कर दिया है.'

चंद्रयान-2 की दिशा में उठाए गए कारगर कदम : इसरो ने 18 अप्रैल को भारत के महत्वाकांक्षी मिशन चंद्रयान-2 की घोषणा की थी. 800 करोड़ रुपये की लागत वाले इस मिशन से जुड़े लगभग सभी तकनीकी मुद्दे सुलझा लिए गए हैं. ऐसी संभावना है कि चंद्रयान 2 अगले साल लॉन्च हो जाएगा. मिशन के लांच की लागत पर 200 करोड़ रुपये तथा अन्य कार्यों पर 600 करोड़ रुपये का खर्च आने की बात कही गई है. इस मिशन की खासियत यह है कि इसके निर्माण और उपयोग में आने वाली सामग्री पूरी तरह स्वदेशी होगी और इसीलिए इसका खर्च काफी कम है. मिशन के दौरान एक लैंड रोवर और जांच उपकरण से युक्त यान चंद्रमा की सतह पर उतरेगा और उसकी सतह पर मौजूद मिट्टी व पानी के नमूने एकत्र करेगा. विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के निदेशक एस सोमनाथ ने बताया, '2018 के दौरान चंद्रयान-2 से संबंधित लगभग सभी तकनीकी मुद्दे सुलझा लिए गए हैं. इस मिशन के सभी वैज्ञानिक उपकरण तैयार हैं.'

लिथियम आयन बैटरी तकनीक के हस्तांतरण का निर्णय : इसरो ने जून में वाहन उद्योग में उपयोग के लिए भारतीय उद्योग को गैर-विशिष्ट आधार पर अपनी लिथियम आयन सेल प्रौद्योगिकी को एक करोड़ रुपये में स्थानांतरित करने के अपने फैसले की घोषणा की थी. इस पहल से स्वदेशी इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के विकास में तेजी आएगी.

इसरो की लिथियम आयन सेल प्रौद्योगिकी में 100 से अधिक देशों ने रुचि दिखाई है और इसरो ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए 14 कंपनियों को शार्टलिस्ट भी किया है. मौजूदा समय में लिथियम आयन बैटरी औद्योगिक अनुप्रयोगों और एयरोस्पेस के अलावा मोबाइल फोन, लैपटॉप, कैमरे और कई अन्य उपकरणों में उपयोग की जानेवाली सबसे प्रभावशाली बैटरी है.

अंतरिक्ष यात्री बचाव प्रणाली का परीक्षण : भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने जुलाई में अंतरिक्ष के लिए अपने मानव मिशन लक्ष्य की दिशा में अंतरिक्ष यात्री बचाव प्रणाली (क्रू इस्केप सिस्टम) की श्रंखला का पहला परीक्षण किया. मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए यात्री बचाव प्रणाली बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह लॉन्च के असफल होने की स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों के साथ क्रू मॉड्यूल को जल्दी से परीक्षण यान से निकालकर सुरक्षित दूरी पर ले जाती है.

अंतरिक्ष विज्ञान चैनल की घोषणा

इसरो ने 12 अगस्त को अंतरिक्ष व विज्ञान को समर्पित टेलीविजन चैनल लॉन्च की घोषणा की, जिसका मकसद देश भर के लोगों तक विज्ञान-प्रौद्योगिकी के फायदों को पहुंचाना है. अगस्त महीने में इसकी घोषणा करते हुए इसरो ने कहा था, 'इस चैनल के माध्यम से हमारा उद्देश्य अंतरिक्ष कार्यक्रम कैसे आम जनता को फायदा पहुंचा सकता है, इसकी जानकारी देना है.'

देश के सबसे भारी प्रक्षेपण यान की सफल उड़ान : इस साल 14 नवंबर को देश के सबसे भारी प्रक्षेपण यान-जियोसिनक्रोनस सैटेलाइट लांच व्हिकल-मार्क-3 (जीएसएलवी-एमके-3) ने जीसैट-29 उपग्रह के साथ उड़ान भरी. 3,423 किलोग्राम वजनी संचार उपग्रह जीसैट-29 सुदूर और ग्रामीण इलाकों की संचार संबंधी जरूरतें पूरी करने में सक्षम है. अभियान की जानकारी देते हुए सिवन ने कहा था, 'जीएसएलवी-एमके-3 और जीसैट उपग्रह की श्रंखला के संबंध में यह अभियान महत्वपूर्ण है. जीसैट-29 से दूरदराज में रहने वाले लोगों समेत सभी उपयोगकर्ताओं की संचार संबंधी आवश्यकताएं पूरी होंगी.'

सैन्य संचार उपग्रह जीसैट-7ए का प्रक्षेपण : देश की रणनीतिक सुरक्षा की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए खास वायुसेना के लिए सैन्य संचार उपग्रह जीसैट-7ए का प्रक्षेपण किया गया. यह प्रक्षेपण 19 दिसंबर को किया गया, जिसके बाद वायुसेना अपने विभिन्न रडार केंद्रों और अड्डों से हवाई हमलों की पूर्व चेतावनी एवं नियंत्रण प्रणाली वाले विमान को जोड़ पाने में सक्षम हो पाएगी. खास बात यह है कि इससे मानवरहित वायुयान व ड्रोन को भी नियंत्रित किया जा सकता है. रणनीतिक उपग्रहों के मामले में भारत, अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों के रास्ते पर चल रहा है.

सबसे भारी संचार उपग्रह जीसैट-11 लॉन्च : दिसंबर माह में ही भारत का सबसे भारी व अगली पीढ़ी का संचार उपग्रह जीसैट-11 भी लॉन्च हुआ. 5,854 किलोग्राम वजनी जीसैट-11 इसरो द्वारा बनाया गया सबसे भारी उपग्रह है, जिसमें मल्टी-स्पॉट बीम के एंटीना लगे हैं, जो भारतीय भूमि और द्वीपों को कवर कर सकते हैं. यह भारत नेट प्रोजेक्ट के तहत आने वाले देश में ग्रामीण और अभी तक पहुंच से दूर ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा, जो डिजिटल इंडिया प्रोग्राम का हिस्सा है. इसके जरिए ई-बैंकिंग, ई-हेल्थ, ई-गवर्नेंस जैसी सार्वजनिक कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा.

मानव मिशन 2022 की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से मानव मिशन 2022 की घोषणा की थी. इस परियोजना को अमलीजामा पहनाते हुए साल के आखिर में 28 दिसंबर को भारत के महत्वाकांक्षी मानव मिशन के क्रियान्वयन की दिशा में केंद्र सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये के गगनयान मिशन को मंजूरी दी. इस कार्यक्रम के तहत अंतरिक्ष में दो मानवरहित यानों के साथ-साथ एक यान ऐसा भेजे जाने की परिकल्पना है, जिसमें अंतरिक्ष यात्री भी होंगे. अबतक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही इंसानों को अंतरिक्ष में भेजा है.

दुनिया के इस शहर में सबसे पहले 2019 का स्वागत

ऑकलैंड (एजेंसी)।

2018 की विदाई और नए साल के आगमन के इंतजार में बैठे लोगों ने सबसे पहले न्यूजीलैंड में नए साल का स्वागत किया. दुनिया में सबसे पहले नए साल का स्वागत न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में किया गया. ऑकलैंड में हजारों लोगों ने जश्न मनाकर नए साल का स्वागत किया. न्यूजीलैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया के शहर सिडनी में नए साल का स्वागत किया जाएगा. यहां पर सिडनी ओपेरा हाउस की आतिशबाजी पूरी दुनिया में मशहूर है.

दुनिया के अलावा भारत में भी लोग न्यू ईयर के स्वागत के लिए तैयारी कर रहे हैं. राजधानी दिल्ली समेत देश के दूसरे बड़े शहरों में न्यू ईयर के स्वागत की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. रात 12 बजे नए साल का जश्न मनाया जाएगा.

गोपी कला उत्सव-2018 धूमधाम से सम्पन्न

सूरत। सूरत महानगर पालिका द्वारा गोपी कला उत्सव-2018 अन्तर्गत कला तथा संस्कृति को उजागर कनरे वाले विविध सास्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन 26 दिसंबर से 31 दिसंबर 2018 तक किया गया। 31 दिसंबर की शाम 7.30 बजे से रात्र 10 बजे तक नव पल्वित गोपी तलाव, कोटसफील रोड सूरत में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सूरत महानगर पालिका द्वारा वर्ष 2015 में गोपी तलाव को ऐतिहासिकता को ध्यान में रखते हुए गोपी तलाव के सुंदरीकरण का कार्य शुरु किया गया। शहरीजनों में गोपीतलाव के प्रति बढ़ते लगाव को देखते हुए मनपा द्वारा प्रत्येक वर्ष गोपी कला उत्सव का आयोजन कर शहरी जनों का मनोरंजन किया जाता है। गोपी तलाव की इसी एतिहासिकता को देखते हुए इस वर्ष भी 26 दिसंबर से 31 दिसंबर तक 5 दिवसीय गोपी कला उत्सव 2018 का धूमधाम से आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में शहर के कला प्रेमियों ने भाग लिया।

उधना डिंडोली तथा अमरोली पुलिस ने 20 जुआरियों को पकड़ा

सूरत। उधना, डिंडोली तथा अमरोली पुलिस ने 20 जुआरियों को पकड़ कर उनके पास से 1.70 लाख से अधिक का मुद्दा माल जप्त किया। उधना पुलिस ने भाटेना के सत्यनगर सोसायटी के प्लाट नं. 21/154 में संचालित श्री करणी मोटर्स नामक आफिस में छापा मारकर जुआ खेल रहे मनिष सुरेशचन्द्र जैन मोहन एकनाथ पाटील, संजय भवंरलाल बडोला, राकेश वासुदेव परियानी को पकड़कर उनके पास से 3 मोबाइल फोन तथा नकदी मिलाकर 74,900 रुपये का मुद्दामाल जप्त किया।

डिंडोली पुलिस ने मैर्यानगर खाड़ी के किनारे बादाम के पेड़ के नीचे जुआ खेल रहे राकेश मोहन पटेल, मुकेश राजू जगदेव, राकेश विजय डाबेराव, तथा काशीनाथ की धरपकड़ कर उनके कब्जे से 26,600 रुपये नगदी बरामद की। अमरौली पुलिस ने मानसरोवर सर्कल के निकट गोलाई काम्पलेक्स के म.न. 301 में छापा माकर वहां जुआ खेल रहे मुकीम अलीशेख, मनोज चौहाण, राजूदेसाई, नटूकानजी, पूनम मंगल, राजेन्द्रसिंह चौहाण, हसमुख फुलेगा, मंगलसिंह राठौड़, वसीर जमीर शेख, रमेश धामेलिया, विकलचोवटिया तथा कैलाश पाल की धरपकड़ कर उनके कब्जे से प्लास्टिक के 132 सिक्के दो मोबाईल फोन तथा नगदी मिलाकर कुल 69,090 रुपये का मुद्दा माल जप्त कर लिया।

सुमुल डेरी रोड़ दिव्य ज्योत फ्लैट में चोरी

सूरत। शहर के सुमुल डेरी रोड़ स्थित दिव्य ज्योत फ्लैट से डालर तथा रुपये चुराकर चोर फरार हो गए।

महिधरपुरा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अल्कापुरी सोसायटी के पीछे दिव्य ज्योत फ्लैट में चोर घर की खिड़की से घुसकर घर की आलमारी में रखे 2.25 लाख रुपये के सोने चांदी के गहने , 1.5 लाख रुपये नगद तथा 800 डालर चोरी कर फरार हो गए। फ्लैट मालिक तथा ट्यूशन क्लास संचालक कृणाल भरत भाई पटेल ने महिधरपुरा पुलिस में शिकायत की है कि उनके फ्लैट में रविवार की रात्रि अज्ञात चोरों ने खिड़की के रास्ते घर में घुसकर चोरी की है। पुलिस ने कृणालभाई के तहरीर पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गौरतलब है कि दिन प्रतिदिन शहर में चोरी की बढती घटनाओं ने न केवल लोगों की नींद हराम की है बल्कि पुलिस वाले भी परेशान हो गए है।

उधार के रुपये नहीं लौटाने पर मां-बेटे पर चाकू से हमला

सूरत। वराछा के आदर्शनगर सोसायटी बाम्बे कालोनी के पास उधार के रुपये मांगने गए व्यक्ति को रुपये देने से इन्कार करने पर मां-बेटे पर चाकू से हमला किए जाने की जानकारी मिली है।

वराछा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वराछा बाम्बे कालोनी आदर्शनगर के बगल में सुरेशभाई हरीशभाई गुलाल रहते है। रविवार की रात्रि 10.30 बजे के करीब मजदूरी का काम करने वाला सुरेशभाई गुलाल (32) बाम्बे कालोनी में रहने वाले विजयभाई दिलीपभाई वसावा ने उधार के लिए पैसों की मांग की। जिसपर मनाकरने पर सुरेशभाई की पत्नी के साथ गाली गलौच करते हुए सुरेशभाई तथा उसकी मां पर चाकू से हमला कर फरार हो गया। घायला अवस्था में मां बेडे को उपचार के लिए हास्पीटल में भर्ती कराया गया। सुरेशभाई ने आरोपी दिलीप भाई के विरुद्ध जान से मारने की कोशिश का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने फरीयादी की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

सिटीबस रूट नं. 254 में परिवर्तन आज से

सूरत। महानगर पालिका द्वारा सार्वजनिक परिवहन प्रणाली अंतर्गत सूरत के शहरीजनों तथा आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को बीआरटीएस तथा सीटीबस की सुविधा अत्यंत कम किराए पर प्रदान की जा रही है। वर्तमान में बी.आर.टी.एस अन्तर्गत कुल 10 रुटों तथा सीटी बस अन्तर्गत कुल 32 रुटों पर बसे दौड़ रही है। जिनमें प्रतिदिन लगभग 2 लाख से अधिक यात्री मुसाफरी करते है।

सार्वजनिक परिवहन प्रणाली अंतर्गत सीटीबस में हाल में रूट नं. 254 चन्द्रशेखर आजाद ब्रिज(कतारगाम) से लिंबायत तक कार्यरत है। जो हाल में कासकीवाड़, भागल, रेल्वेस्टेशन, कामेला दरवाजा, आजंणा, निलगिरी सर्कल, गोड़ादरा होते हुए लिंबायत तक कार्यरत है। परन्तु सिंगणपोर तथा सुमन दर्शन हाउसिंग क्षेत्र के यात्री रेल्वे स्टेशन तथा लिंबायत की ज्यादा यात्रा करते है जिनकी जरुरतों तथा मांग को ध्यान में रखते हुए इस रूट में जरुरी परिवर्तन किया गया है। जो 1 जनवरी से सुमन दर्शन (सिगणपोर) से लिंबायत वाया कतारगाम दरवाजा, गोटालावाड़ी, पटेल नगर, रेल्वे स्टेशन कामेला दरवाजा, आजंणा, निलगिरी सर्कल होकर गोड़ादरा तक जाएगी।

उधना उद्योगनगर श्री कृष्ण मिल में भयंकर आग

आग से करोड़ों का सामान हुआ खाक

सूरत। रविवार की देर रात 12.30 बजे के करीब उधना उद्योगनगर के रोड़ नं.-6 स्थित श्री कृष्णा सिल्क मिल्स में अचानक आग लगने से अफरा तफरी मच गई। फायर विभाग की 22 गाड़ियों तथा शहर के सभी फायर स्टेशन के कर्मचारियों अधिकारियों की मदद से आग पर नियंत्रण करने का प्रयास किया गया।

फायर विभाग सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फायर आफिस में जैसे ही आग लगने की सूचना मिली फायर आफिसर लाव लश्कर सहित घटना स्थल पर पहुंच गए। मिल के सेंटर मशीन में आग लगने से मिल के नीचे नीचले हिस्से में आग फैल जाने से आग चारों तरफ फैल गई फायर विभाग के अधिकारियों ने जीईबी को फोन कर विद्युत आपूर्ति काटने को कहा परन्तु जीईबी द्वारा 1 घंटे तक विद्युत आपूर्ति न काटने से फायर के जवानों को जान जोखिम में डालकर आग बुझानी पड़ी। आग की चपेट में आने से मिल में जाब वर्क के लिए लाया गया करोड़ों रुपये का ताका तथा मशीनरी जलकर खाक हो गया। मिल में आग लगती ही मिल के करीगरों के सुरक्षित निकल जाने से किसी प्रकार की जानहानि नहीं हुई। आग इतना भीषण था कि आग पर काबू पाने में फायर के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पूरी रात मश्कत करनी पड़ी। आग के कारण पूरे उधना उद्योगनगर में अपरातफरी मच गई। सब लोग सुरक्षित स्थान की तरफ भागते दिखाई दिए।

गौरतलब है कि सूरत के ज्यादातर मिलों में किसी प्रकार की आपदा से निपटने के समुचित इंतजान नही किए गए है। औद्योगिक इकाईयों में सुरक्षा मानकों की जांच करने वाले अधिकारियों को इसकी थोड़ी भी चिंता नहीं रहती कि यदि किसी कारण आपात काल की स्थित उत्पन्न होती है तो ऐसे में मुश्किलों से कैसे निपटा जा सकता है।

आटोमैटिक पिस्टल तथा कार्टेज के साथ पांच लोग गिरफ्तार

सूरत। पलसाणा चार रास्ता जे.डी.इंटरनेशनल स्कूल के पास से गुजर रहे पांच आरोपियों के पास से पुलसि ने गैर लाइसेंसी आटोमैटिक पिस्टल तथा कार्टेज बरमाद की। ये पांचों स्कोडा रेपीड कार से जा रहे थे। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो उनके पास से अवैध हथियार मिले पुलिस ने कार सहित 6.40 लाख कीमत का मुद्दा माल जप्त कर लिया। पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर पलसाणा पुलिस की लाकअप में डाल दिया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ये पांचों आरोपी राजस्थान के चितौड़गढ के रहने वाले है और उन्होंने यह हाथियार दो साल पहले चितौड़गढ़ से खरीदा था। पलसाणा पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

बुटलेगर के घर से दारू की खेप मिली

सूरत। पलसाणा के वाकानेड़ा हलपतिवास के पास एक मकान से बिना पास, परमिट वाली 336 बोतल विदेशी शराब मिली। जिसे पुलिस ने जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई शुरु कर दी गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पलसाणा तालुका के वाकानेड़ा स्थित हलपतिवास में अश्विनी अशोकभाई पटेल नामक बुटलेगर रहता है। पलसाणा पुलिस को सुचना मिली थी कि हलपतिवास के निकट दारू का खेप लाया गया है। प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मारकर 336 विदेशी शराब की बोतले जिनकी कीमत 33600 रुपये आकी जा रही है जप्त कर लिया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)